मुक्तस्वाध्यायपीठम्
(Institute of Distance Education)

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः
५६-५७, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नवदेहली-११० ०५८

पालि प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (Certificate Course in Pali)

प्रदत्तकार्यम् (Assignment)

2021-22

पत्रम् - ..... विषयः - .....

अध्येतुः नाम - ..... पञ्जीकरणसंख्या - .....

अध्येतुः कृते एतत्पुस्तिकाप्रेषणदिनाङ्कः - .....

अध्येत्रा उत्तराणि विलिख्य एतत्पुस्तिकाप्रत्यर्पणदिनाङ्कः - .....

अध्येतुः हस्ताक्षरम्

मूल्याङ्कनकर्तुः नाम - .....

मूल्याङ्कनकर्त्रा एतत्पुस्तिकाप्राप्तिदिनाङ्कः - .....

मूल्याङ्कनकर्त्रा मूल्याङ्कनानन्तरं संस्थाने समर्पणदिनाङ्कः - .....

अध्येत्रा प्राप्ताङ्काः -

प्रथमं प्रश्नपत्रम्	निर्धारिताङ्काः	प्राप्ताङ्काः
I.	05 x 02 = 10 अङ्काः	
II.	02 x 05 = 10 अङ्काः	
III.	01 x 10 = 10 अङ्काः	
	पूर्णाङ्काः 30	प्राप्ताङ्काः .....

मूल्याङ्कनपुरस्सरं परामर्शैः सह अध्येतुः कृते एतत्पुस्तिकायाः पुनःप्रेषणदिनाङ्कः - .....

मूल्याङ्कनकर्तुः हस्ताक्षरम्

स्थानम् – .....
दिनाङ्कः – .....

अध्येतुः कृते परामर्शाः,

प्रिय अध्येता ! भवता/भवत्या पूरितं प्रदत्तकार्यम् अवलोकितम्। मूल्याङ्कनं कृतम्। मूल्याङ्कनस्य आधारेण कुत्र कुत्र भवदीयः दोषः/लोपः/विस्मृतिः/भ्रान्तिः अभवत् इति ज्ञात्वा स्वाध्यायं पुनः प्रवर्तयतु। शुभकामनाः।।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

मूल्याङ्कनकर्तुः हस्ताक्षरम्

दिनाङ्कः .....

© मुक्तस्वाध्यायपीठम्, केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, नवदेहली, २०२१-२२

पालि प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम

द्वितीय प्रश्नपत्र

पूर्णाङ्काः - 100

निर्देशः–सभी प्रश्न अनिवार्य है। यह प्रष्ठन पत्र 100 अंकों का है। इस प्रश्न पत्र में कुल तीन खण्ड है। (क) अति लघुत्तरीय बीस (20), (ख) लघुत्तरीय आठ (8) एवं (ग) दीर्घउत्तरीय दो (2)

खण्ड- क (अति-लघु उत्तरीय प्रश्न)

किन्हीं बीस प्रश्नों का उत्तर दीजिए- **20 x 02 = 40**

1. सुख-दुख में समान रहने वाले को क्या समझना चाहिए।
2. पुद्गल के प्रकार लिखिए।
3. सुहृदलक्खणानि किस सुत्त से लिया गया है?
4. सुत्तपिटक को कितने निकायों में बांटा गया है? लिखिए।
5. प्रमाद से होने वाली हानि को लिखिए।
6. अनंगण तथा सांगण शब्द से क्या तात्पर्य है?
7. पठितांश के अनुसार सात प्रकार की पत्नियों का नाम लिखिए।
8. प्रवज्या से क्या आशय है?
9. 'असेवना च बालानं, पण्डितानं च सेवना।
   पूजा च पूजनीयानं, एतं मंगलमुगत्तमं।।' गाथा का अर्थ लिखिए।
10. पण्डित किससे दुःखी होता है?
11. मंगल धर्म से क्या तात्पर्य है? लिखिए
12. धम्मपद किस निकाय का ग्रंथ है? लिखिए?
13. तृष्णा क्या है? लिखिए
14. मिलिन्दपण्ह ग्रन्थ की विशेषताएं लिखिए।
15. पुण्णा थेरी किसकी दासी थी?
16. पवज्जित होने के दो कारण लिखिए।
17. अप्रमाद से होने वाले लाभ को लिखिए।
18. पुद्गल क्या है? उसके प्रकार लिखिए।
19. कल्याणमित्र की महिमा लिखिए।
20. भगवान् ने विशाखा की आसक्ति को कैसे नष्ट किया?
21. सोडसवस्सकाले क्या है? लिखिए।
22. 'दुट्ठभरियाय संवासो पदुट्ठचित्तदासको।
    ससप्पो च घरे वांसो मच्चु एव न संयमो।। गाथा का अर्थ लिखिए।
23. पठितांश के आधार पर सनातन धर्म से क्या तात्पर्य है? लिखिए

© मुक्तस्वाध्यायपीठम्, केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, नवदेहली, २०२१-२२

24. पालि अट्ठकथाकारों के नाम का क्रमानुसार लिखिए।

25. पठितांश के अनुसार चरियापिटक का सार लिखिए।

खण्ड- ख (लघु उत्तरीय प्रश्न)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **5 x 08 = 40**

1. **''पेमतो जायती सोको पेमतो जायती भयं।**
   पियतो विप्पमुत्तस्स नत्थि सोको कुतो भयं।।'' गाथा की सप्रसंग व्याख्या कीजिए

2. व्यक्ति पतन के कारणों का विवेचन पठितांश के आधार पर कीजिए।

3. खुदद्क निकाय को कितने भागों में बांटा गया है। विवेचन कीजिए

4. मिलिन्दप्रश्न का सार लिखिए ।

5. धम्मपद की कोई गाथा लिखिए ।

6. आर्यसत्य के बारे में विवेचन कीजिए।

7. लोकनीति को अपने शब्दों में विवेचित कीजिए।

8. **यस्स ब्राह्मण त्वं भीतो सदा उदकमोतरि।**
   तमेव ब्रह्म मा कासि, मा ते सीतं छविं हने।। गाथा का भावार्थ लिखिए

खण्ड- ग (लघु उत्तरीय प्रश्न)

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **2 x 10 = 20**

1. वर्तमान में पालि साहित्य की प्रासंगिकता विषय पर निबंध लिखिए।

2. पालि अट्ठकथा की विकास यात्रा लिखिए ।

3. पालि साहित्य का अन्य साहित्यों पर प्रभाव सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

4. पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से पालि साहित्य की प्रासंगिकता विषय पर निबंध लिखिए।